Core -Course - HIN - 503 स्वतंत्रापूर्व हिंदी कविता

•उद्देश्य : -

1.स्वतंत्रपूर्व हिंदी कविता के विकासक्रम का अध्ययन

2. कविता के माध्यम से जन-संवेदना का अध्ययन

3. स्वतंत्रातापूर्व काव्य - रूपों का अध्ययन

4.काव्यास्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान

2. कवि / आलोचकों से साक्षात्कार

3. काव्य-पाठ

4. दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग

5. काव्यास्वादन - मूल्यांकन अभ्यास /स्वाध्याय

•पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1. स्वतंत्रापूर्व हिंदी कविता : विकासात्मक अध्ययन	08
2.कामायनी : संवेदना और शिल्प	20
3. निराला का काव्य: संवेदना और शिल्प	08
4. सुमित्रानंदन का काव्य : संवेदना और शिल्प	08
5.महादेवी वर्मा का काव्य : संवेदना और शिल्प	08
6. दिनकर का काव्य : संवेदना और शिल्प	08

•पाठयपुस्तकें : -

1. कामायनी : जयशंकर प्रसाद : राजकमल पेपर बैक्स ,नई दिल्ली .
(लज्जा , श्रध्दा , इडा सर्ग)

2. प्रसाद , निराला , महादेवी , पन्त की श्रेष्ठ रचनाएँ :सं. वाचस्पति पाठक
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

6. अर्थ -विज्ञान :- अ)अर्थ विज्ञान का स्वरूप आ)अर्थ की अवधारणा : भारतीय , पाश्चात्य इ)शब्द और अर्थ का संबंध ई)अर्थ विकास की दिशाएँ एवं कारण उ) बौध्दिक नियम	10

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. भाषा विज्ञान : डॉ . रमेश रावत : पंचशील प्रकाशन , जयपुर .
2. भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और लिपि : रामकिशोर शर्मा : लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ.कपिलदेव त्रिवेदी : विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा : राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली .
5. भाषा और भाषा विज्ञान : डॉ. तेजपाल चौधरी : विकास प्रकाशन , कानपुर .
6. भाषा विज्ञान : डॉ.भोलानाथ तिवारी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
7. भाषा विज्ञान के अधुबातन आयाम और हिंदी : डॉ. अंबादास देशमुख : शैलजा प्रकाशन , कानपुर .
8. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा : डॉ . हणमंतराव पाटील : विद्याप्रकाशन , कानपुर .

- पाठयक्रम में समाविष्ठ कविताएँ : -

1. सूर्यकांत त्रिपाठी ' निराला ':-

1. जागो फिर एक बार
2. बादलराग -1,2,6
3. राम की शक्तिपूजा
4. तुलसीदास
5. सरोज स्मृति .

2. सुमित्रानंदन पन्त :-

1. नौका बिहार
2. चाँदनी
3. ताज
4. द्रुत झरो
5. यह धरती कितना देती है

3.महादेवी वर्मा :-

1. मैं बनी मधुमास अली
2. मधुर-मधुर मेरे दिपक
3. तुम मुझ में प्रिय
4. मैं नीर भरी दुख की बदली
5. सब आँखों के आँसू उजल .

4. आज के लोकप्रिय कवि : रामधारी सिंह 'दिनकर '

सं मन्मथनाथ गुप्त : राजपाल एण्ड सन्स , नई दिल्ली .

पाठयक्रम में समाविष्ठ कविताएँ : -

1. हिमालय
2. बुध्ददेव
3. बालिका से वधु
4. दिल्ली और मास्को
5. कवि की मृत्यु .

Elective :- वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

HIN - 502 भाषा शिक्षण

•उद्देश्य : - 1. भाषा अधिगम तथा भाषा शिक्षण का अध्ययन 2. भाषा - कौशल का का अध्ययन 3. मातृभाषा तथा व्दितीय भाषा -अध्ययन -अध्यापन प्रक्रिया का अध्ययन	
•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : - 1. व्याख्यान 2.दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग 3. भाषा प्रयोगशाला द्वारा भाषा कौशल का अभ्यास 4. कार्यशाला / स्वाध्याय	
•पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1. भाषाशिक्षण : संकल्पना और प्रकार :- अ) भाषाशिक्षण की संकल्पना आ) भाषाशिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकार - मातृभाषा , व्दितीय भाषा , समतुल्य भाषा , सहायक भाषा , इ) मातृभाषा शिक्षण और अन्य भाषा शिक्षण ई) व्दितीय भाषा शिक्षण तथा विदेशी भाषा - शिक्षण	10
2.भाषा शिक्षण सिध्दान्त और विधियाँ :- अ) व्याकरण अनुवाद विधि आ) प्रत्यक्ष विधि इ) श्रवण - भाषण विधि ई) संरचनात्मक विधि उ) अभिक्रमित स्वाध्याय विधि ऊ)संप्रेषणात्मक विधि	10
	10

3.भाषा कौशल्य विकास :- अ) भाषा कौशल : तात्पर्य एवं प्रकार आ) भाषा कौशल के अंग इ) वाचन कौशल विकास ई) लेखन कौशल विकास	10
4. व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटी विश्लेषण :- अ) आधारभूत सिध्दान्त और मान्यताएँ आ) भाषिक व्याघात	10
5. भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षा :- अ) मूल्यांकन ,परीक्षण तथा परीक्षा आ) परीक्षण के प्रकार इ) परीक्षण निर्माण के सिध्दान्त ई)वस्तुनिष्ठ परीक्षा	
6. द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण :-	

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. भाषा शिक्षण : डॉ . रवींद्र श्रीवास्तव :
   वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
2. हिंदी शिक्षण : केशव प्रसाद :
   धनपतराय पब्लिशिंग कंपनी प्रा.लि.नई दिल्ली .
3. हिंदी शिक्षण : डॉ . जयनारायण कौशिक :
   हरियाणा साहित्य अकादमी , पंचकुला .
4. मनोभाषा विज्ञान : पुष्पा शर्मा :
   केंद्रीय हिंदी संस्थान , आगरा .
5. भाषा अधिगम : डॉ .मनोरमा शर्मा :
   केंद्रीय हिंदी संस्थान , आगरा .
6. हिंदी भाषा शिक्षण : डॉ . भोलानाथ तिवारी /कैलाशचंद्र भाटिया :
   केंद्रीय हिंदी संस्थान , आगरा .

Elective -वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

HIN - 523 राजभाषा प्रशिक्षण

•उद्देश्य : -

1. राजभाषा हिंदी के प्रकार्यों का अध्ययन
2. कार्यालयी भाषा -कौशल का विकास
3. राजभाषा हिंदी के विकासक्रम का अध्ययन
4. कार्यालयी- कामकाज की जानकारी प्राप्त करना

•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान
2. दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यालयों से भेंट यात्रा
5. स्वाध्याय

•पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1. राजभाषा हिंदी :-	10
अ) राजभाषा से तात्पर्य	
आ) राजभाषा हिंदी : संविधानिक स्थिति	
2. राजभाषा हिंदी : विकासक्रम :-	10
अ) राजभाषा हिंदी : स्वतंत्रापूर्वकाल	
आ) राजभाषा हिंदी : स्वातंत्र्योत्तर काल	
इ) भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य	
3. राजभाषा हिंदी के विकास में संस्थाओं तथा व्यक्ति - प्रयासों का योगदान :-	10
अ) हिंदी के प्रचार - प्रसार में संस्थाओं की भूमिका	
आ) हिंदी के प्रचार - प्रसार में विशिष्ट व्यक्तियों की भूमिका	
4. कार्यालयी कार्य विधि और भाषिक प्रकार्य :-	10
अ) प्रशासन व्यवस्था एवं कार्यालय संगठन	
आ) कार्यालयीन कार्य और पत्राचार विधि	

5. सरकारी पत्राचार : सिध्दान्त और व्यवहार :- अ) सरकारी पत्र से तात्पर्य आ) सरकारी पत्राचार : सामान्य विशेषताएँ इ) सरकारी पत्राचार : विभिन्न रूप ई) कार्यालयी लेखन : टिप्पण , संक्षेपन , प्रतिवेदन	10
6. कार्यालयी अनुवाद :- अ) कार्यालयों में अनुवाद की भूमिका आ) कार्यालयी अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ इ) कार्यालय अभिलेखों के अनुवाद की समस्या	10

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव :
   लोकभारती प्रकाशन
2. राजभाषा सहायिका : अवधेश मोहन गुप्त :
   प्रभात प्रकाशन , नई दिल्ली .
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : रघुनंदन प्रसाद शर्मा :
   विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी .
4. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण : प्रो.विराज :
   राजपाल एण्ड सन्स ,नई दिल्ली .
5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी : कृष्णाकुमार गोस्वामी
6. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषारूप : डॉ . माधव सोनटक्के :
   छाया पब्लिकेशन , औरंगाबाद .

Elective - वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

HIN - 521 प्रयोजनमूलक हिंदी

•उद्देश्य : - 1. प्रयोजनमूलक भाषा का सैध्दान्तिक अध्ययन 2. प्रयोजनमूलक भाषा - कौशल का विकास	
•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : - 1. व्याख्यान 2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग 3. कार्यशाला /स्वाध्याय	
•पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1. हिंदी के विभिन्न रूप :- अ) सृजनात्मक भाषा आ) संचार भाषा इ) मातृभाषा ई) राष्ट्रभाषा	05
2.प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र :- अ) प्रयोजनमूलक हिंदी तात्पर्य एवं परिभाषा आ) प्रयोजनमूलक हिंदी की स्वरूपगत विशेषताएँ इ) प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयोग क्षेत्र	10
3. पारिभाषिक शब्दावली :- अ)पारिभाषिक शब्दावली : तात्पर्य एवं परिभाषा आ) पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूपगत विशेषताएँ इ) प्रयोजनमूलक शब्दावली निर्धारण : समस्या और समाधान ई) पारिभाषिक शब्दावली निर्माण-निर्धारण के सिध्दान्त अ).राष्ट्रीयतावादी आ). अंतर्राष्ट्रीयतावादी इ)प्रयोगवादी या लोकवादी ई) समन्वयवादी	10

4. राजभाषा हिंदी :- अ) राजभाषा से तात्पर्य आ) राजभाषा हिंदी : संविधानिक स्थिति इ) राजभाषा हिंदी के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण , संक्षेपण एवं टिप्पण ई) कार्यालयीन भाषा : स्वरूपगत विशेषताएँ	15
5.अद्यतन इलैक्ट्रॉनिक्स संचार माध्यम और हिंदी :- अ) कम्प्यूटर और हिंदी कम्प्यूटर का परिचय , इतिहास , महत्व , उपयोगिता प्रकार , हिंदी साफटवेअर पैकेज आ) इंटरनेट और हिंदी इंटरनेट , ई-मेल, इंटरनेट की उपयोगिता	10
6. वाणिज्य - व्यवसाय और हिंदी :- अ) वाणिज्य -व्यापार : तात्पर्य एवं स्वरूप आ) व्यापार के साधन इ) वाणिज्य -व्यापार और भाषा प्रकार्य ई) वाणिज्य -व्यावसायिक भाषा : सामान्य विशेषताएँ उ) वाणिज्य -व्यावसायिक भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ	10

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम : डॉ. महेंद्रसिंह राणा :

2.प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे :
वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

3. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के :
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

4.संप्रेषण मूलक व्यावसायिक हिंदी : हिंदी पाठय समिति : ओरियंट ब्लैकस्वॉन
प्रा.लि.3-6-752, हिमायतबाग , हैदराबाद -29.

5. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम : डॉ. अंबादास देशमुख :
शैलजा प्रकाशन , कानपुर .

6.प्रयोजनमूलक हिंदी :डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय : ज्ञानोदय प्रकाशन , कानपुर .

5.प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी : कृष्णाकुमार गोस्वामी

6.हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषारूप : डॉ . माधव सोनटक्के :
छाया पब्लिकेशन , औरंगाबाद .

एम.ए हिंदी : व्दितीय वर्ष
चतुर्थ - सत्र

Core -Course HIN - 504 भारतीय साहित्य - 2

•उद्देश्य : -

1. भारतीय साहित्य अध्ययन की समस्याओं का अध्ययन

2. भारतीय भाषाओं के साहित्य के माध्यम से भारतीयता की पहचान

3. तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन

•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान

2. दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग

3. गोष्ठी / संगोष्ठी का आयोजन

4. स्वाध्याय

•पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1. भारतीय साहित्य - अध्ययन की समस्याएँ	05
2. बंगला उपन्यास साहित्य : सामान्य परिचय	05
3. उडिया कविता : सामान्य परिचय	05
4. मास्टर साब : संवेदना और शिल्प	20
5. सिताकांत महापात्रा की कविता : संवेदना	20
6. सिताकांत महापात्रा की कविता : शिल्प विधान	05

•पाठयपुस्तकें : -

1. मास्टर साब : महाश्वेता देवी : भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली .

2. वर्षा की सुबह : सीताकांत महापात्रा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली .

- पाठयक्रम में समाविष्ठ कविताएँ :-

1. आकाश	2. वर्षा की सुबह	3. नारी
4.शब्द से दो बातें	5. जड	6.यात्रा तेरी
7. समुद्र	8. चुल्हे की आग	9. गाँव का आपेरा
10. वस्त्रहरण		

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था : डॉ . आरस्तु ,
राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली .

2.भारतीय साहित्य की अवधारणा : डॉ .राजेंद्र मिश्र ,
तक्षशीला प्रकाशन , नई दिल्ली .

3.भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : के सच्चिदानंदन ,
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली .

4. बांगला साहित्य का इतिहास : सुकुमार सेन , अनु.निर्मला जैन ,
साहित्य अकादमी , नई दिल्ली .

5. भारतीय साहित्य : डॉ . नगेंद्र ,
प्रभात प्रकाशन , नई दिल्ली .

6. आज का भारतीय साहित्य : साहित्य अकादमी ,
राजपाल एण्ड सन्स , नई दिल्ली .

Core -Course HIN - 505 हिंदी भाषा का इतिहास

•उद्देश्य : -

1. हिंदी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन
2. हिंदी भाषा के विकासक्रम का अध्ययन
3. हिंदी की बोलियों का अध्ययन

•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान
2. दृक् -श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय
4. अध्ययन -यात्रा

•पाठयांश : -	तासिकाएँ
1. संसार की भाषाओं का वर्गीकरण :-	10
अ) संसार के भाषा परिवार : सामान्य परिचय	
आ) भारत वर्ष के भाषा परिवार : सामान्य परिचय	
2. हिंदी उद्भव और विकास : -	10
अ) भारतीय आर्यभाषा : विकासात्मक परिचय	
आ) हिंदी उद्भव और विकास	
3. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :-	10
अ) हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ	
आ) पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ	
इ) पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ	
ई) राजस्थानी हिंदी और उसकी बोलियाँ	
उ) बिहारी हिंदी और उसकी बोलियाँ	
ऊ) पहाडी हिंदी और उसकी बोलियाँ	
4. हिंदी भाषा की संरचना :-	10
अ) हिंदी की स्वनिम व्यवस्था : खंडय तथा खण्डेतर	
आ) हिंदी की शब्द रचना : उपसर्ग , प्रत्यय , समास	
इ) हिंदी की रूप -रचना : लिंग , वचन , कारक	
ई) हिंदी की वाक्य रचना : पदक्रम और अन्वय	

5. हिंदी की शब्द संपदा :- अ) तत्सम आ) तद्भव इ) देशज ई) विदेशी उ) संकर	10
6. देवनागरी लिपि :- अ) लिपि : तात्पर्य एवं स्वरूप आ) देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास इ) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ई) देवनागरी लिपि : दोष एवं त्रुटियाँ उ) देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास ऊ) संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि ए) मानकीकरण और हिंदी	10

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास : उदयनारायण तिवारी :
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ .हेतु भारव्दाज /डॉ.रमेश राउत
पंचशील प्रकाशन , जयपुर .

3.हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ . भोलानाथ तिवारी :
वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

4. हिंदी उद्भव , विकास और रूप : हरिदेव बाहरी :
वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

5. हिंदी भाषा की संरचना : डॉ . भोलानाथ तिवारी : शब्दकार ,
नई दिल्ली .

6. हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : प्रो. सत्यनारायण त्रिपाठी
विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी .

Core -Course HIN - 506 स्वातंत्र्योत्तर कविता

•उद्देश्य : -

1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के विकासक्रम का अध्ययन
2. कविता के माध्यम से स्वातंत्र्योत्तर जन - संवेदना का अध्ययन
3. स्वातंत्र्योत्तर काव्य - रूपों का अध्ययन
4. काव्यास्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान
2. कवि / आलोचकों से साक्षात्कार
3. काव्य-पाठ
4. दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग
5. काव्यस्वादन - मूल्यांकन अभ्यास / स्वाध्याय

•पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1.आत्मजयी : संवेदना और शिल्प	15
2. अज्ञेय का काव्य : संवेदना और शिल्प	10
3. मुक्तिबोध का काव्य : संवेदना और शिल्प	10
4. धूमिल का काव्य : संवेदना और शिल्प	10
5. उदय प्रकाश का काव्य : संवेदना और शिल्प	08
6. अरूण कमल का काव्य : संवेदना और शिल्प	07

•पाठयपुस्तकें : -

1. आत्मजयी : कुंअर नारायण :ज्ञानपीठ प्रकाशन ,नई दिल्ली
2. छायान्तर : सं. नंदकिशोर नवल :लोकभारती प्रकाशन .

- पाठ्यक्रम में समाविष्ठ कविताएँ :-

1. हरि घास पर क्षणभर	2. कलगी बाजरे की	3. नदी के व्दीप
4. यह दिप अकेला	5.आंगन के पार	

मुक्तिबोध :-

1. दिमागी गुँहाधकार का ओरांग	2. एक अरूप शून्य के प्रति	3. पता नहीं
4. ब्रह्मराक्षस	5. भूल तील	

धूमिल :-

1. बीस साल बाद	2. मोचीराम	3. प्रौढशिक्षा
4.मुनासिब कारवाई	5.खून के बारे में कविता	

3. छायावादोत्तर हिंदी कविता : सं. अलोक गुप्त : -

पाठयक्रम में समाविष्ठ कवि और कविताएँ : जयभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

उदय प्रकाश :-

1. नींव की ईंट हो तुम दीदी	2. तिब्बत	3. तानाशाह की खोज
4. दो हाथियों की लडाई	5.एक था अबूतर -एक था कबूतर	

अरूण कमल :-

1 उम्मीद	2. मुक्ति	3. डेली पॅसंजर
4. श्रध्दाजंली	5. उर्वर प्रदेश	

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. आधुनिक कवि : विश्वम्भर मानव :
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

2. मुक्तिबोध की कविताएँ : बिम्ब प्रतिबिंब : नंदकिशोर नवल,
प्रकाशन संस्थान , नई दिल्ली .

3.समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ,
राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली .

4.समकालीन काव्य यात्रा : नंदकिशोर नवल ,
राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली .

5.समकालीन हिंदी कविता : ए.अरविंदाक्षन ,

राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली .

6.कालयात्री है कविता : प्रभाकर श्रोत्रिय ,

राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली .

7. मुक्तिबोध की कविताई : अशोक चक्रधर ,

राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली .

8. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष : डॉ . ब्रह्देव मिश्र ,

लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

9. आधुनिक कवि : रामकिशोर शर्मा ,

लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

Elective - वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

HIN - 524 मीडिया लेखन

•उद्देश्य : - 1. जनसंचार माध्यमों का अध्ययन 2. माध्यमोपयोगी लेखन का सैध्दान्तिक अध्ययन 3. माध्यम लेखन कौशल का विकास	
•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : - 1.व्याख्यान 2. दृक्-श्रव्य साधनों का प्रयोग 3. कार्यशाला / अभ्यास 4. मीडियाकर्मियों से साक्षात्कार	
• **पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
1. जन-संचार : स्वरूप , प्रक्रिया और क्षेत्र :- अ) जनसंचार : तात्पर्य एवं स्वरूप आ) संचार प्रक्रिया इ) संचार के क्षेत्र एवं प्रकार	08
2. जन संचार माध्यम : स्वरूप ,प्रकार एवं विकास :- अ) जनसंचार माध्यम : तात्पर्य एवं स्वरूप आ) जनसंचार माध्यम के भेद 1. परपंरागत माध्यम 2.आधुनिक माध्यम 3.नव इलैक्ट्रानिक माध्यम	08
3. माध्यमों के लिए लेखन : स्वरूप और प्रकार :- अ) माध्यम / संचार भाषा : स्वरूपगत विशेषताएँ आ) माध्यम लेखन और सृजनात्मक लेखन इ)माध्यम लेखन के प्रमुख प्रकार	08

4. मुद्रित माध्यम के लिए लेखन :- अ) समाचार आ)फिचर इ)विज्ञापन ई)संपादकीय	12
5. श्रव्य माध्यम के लिए लेखन :- अ) रेडिओ वार्ता आ)रेडिओ नाटक	10
6. दृक-श्रव्य माध्यम के लिए लेखन अ) धारावाहिक आ) विज्ञापन इ) टेलिफिल्म ई) फिचर फिल्म तथा वृत्तचित्र लेखन	16
संदर्भ ग्रंथ :- 1. मीडिया लेखन : सिध्दान्त और व्यवहार : डॉ. चंद्रप्रकाश : संजय प्रकाशन ,नयी दिल्ली . 2. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी :सं.सुधीश पचौरी राजकमल प्रकाशन 3.हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप: डॉ .माधव सोनटक्के , छाया पब्लिकेशन , औरंगाबाद . 4. पटकथा लेखन : एक परिचय : मनोहर श्याम जोशी , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली . 5.टेलीविजन लेखन : अजगर वजाहत , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली . 6. रेडियो नाटक की कला : डॉ . सिध्दनाथ कुमार , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली . 7.भारतीय सिने सिध्दान्त : अनुपम ओझा , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली . 8. रेडिओ लेखन : मधुकर गंगाधर , हिंदी ग्रंथ अकादमी , पटना .	

Elective - वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

HIN - 525 हिंदी पत्रकारिता

•उद्देश्य : -

1. पत्रकारिता की कला का वैज्ञानिक अध्ययन
2. पत्रकारिता -सिध्दान्त का अध्ययन
3. पत्रकारिता के कौशल का विकास
4. हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम का अध्ययन

•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान
2. दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला / स्वाध्याय
4. पत्र-पत्रिका के कार्यालयों से भेंट -यात्रा

•पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1.पत्रकारिता : स्वरूप ,उद्देश्य एवं प्रकार :-	10
अ) पत्रकारिता से तात्पर्य एवं परिभाषा	
आ) पत्रकारिता के आदर्श /उद्देश्य	
इ) पत्रकारिता के क्षेत्र एवं प्रकार	
2. हिंदी पत्रकारिता : उद्भव और विकास :-	10
अ) भारत में पत्रकारिता का उदय	
आ) हिंदी पत्रकारिता का उद्भव	
इ) स्वतंत्रतापूर्व हिंदी पत्रकारिता	
ई)स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता	

3.समाचार -पत्र प्रबंधन :- अ) संपादकीय विभाग आ) विज्ञान - विभाग इ) मुद्रण -विभाग ई) वितरण -विभाग उ)प्रशासन - विभाग ऊ)वित्त व लेखा - विभाग	10
4. प्रेस कानून और आचार संहिता :- अ) प्रमुख प्रेस कानून आ) पत्रकारिता की आचार संहिता	10
5. पत्रकारिता के नये क्षितीज :- अ) रेडिओ पत्रकारिता आ) दूरदर्शन पत्रकारिता इ) इंटरनेट पत्रकारिता	10
6. पत्रकारिता और अनुवाद :- अ) पत्रकारिता में अनुवाद : स्वरूप एवं क्षेत्र आ) पत्रकारिता अनुवाद : महत्व , समस्याएँ एवं समाधान	10

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास : डॉ .विनोद गोदरे ,
वाणी प्रकाशन . नई दिल्ली .

2. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ .विनोद गोदरे ,
वाणी प्रकाशन . नई दिल्ली .

3. पत्रकारिता : विविध विधाएँ : डॉ . राजकुमारी रानी ,
जयभारती प्रकाशन , नई दिल्ली .

4. समाचार पत्र का प्रबंधन : गुलाब कोठारी ,

राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली .

5. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य : राजकिशोर ,

वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

6. पत्रकारिता के सिध्दान्त : डॉ . रमेश त्रिपाठी ,

अशोक प्रकाशन , नई दिल्ली .

7. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ . भोलानाथ तिवारी / जितेंद्र गुप्त ,

शब्दकार , नई दिल्ली .

Service Course

HIN - 541 अनुवाद -विज्ञान

•उद्देश्य : -

1. अनुवाद - प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन
2. अनुवाद - कौशल का विकास
3. रोजगारपरक कौशल का विकास
4. तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की पृष्ठभूमि का विकास

•अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान
2. दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाल
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान
5. अनुवाद -अभ्यास / स्वाध्याय

•पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1. अनुवाद : स्वरूप , भेद , उपयोगिता और प्रक्रिया : -	10
अ) अनुवाद से तात्पर्य एवं परिभाषा	
आ) अनुवाद के भेद	
इ) अनुवाद की उपयोगिता	
ई) अनुवाद -प्रक्रिया	
उ) अनुवाद के साधन	
2. अनुवाद का भाषा - वैज्ञानिक पक्ष : -	10
अ) अनुवाद और ध्वनि विज्ञान	
आ) अनुवाद और वाक्य विज्ञान	
इ) अनुवाद और रूप विज्ञान	
ई) अनुवाद और अर्थ विज्ञान	

3. कार्यालयी अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :- अ) कार्यालयी अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ आ) कार्यालयी अनुवाद : साधन और प्रक्रिया इ) कार्यालयी साहित्य के अनुवाद की : समस्याएँ	10
4. वैज्ञानिक तथा तकनिकी अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :- अ) वैज्ञानिक और तकनिकी साहित्य आ) वैज्ञानिक /तकनिकी साहित्य अनुवाद की समस्याएँ	10
5. मीडिया अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :- अ) पत्रकारिता से संबध्द अनुवाद के आयाम , पत्रकारिता और अनुवाद आ) समाचार -अनुवाद : मुद्रित माध्यम , आकाशवाणी तथा दूरदर्शन -समाचार के अनुवाद इ) विज्ञापनों के अनुवाद **ई) दूरदर्शन में अनुवाद :क्षेत्र ,स्वरूप और समस्याएँ**	10
6. अनुवाद बनाम मशीनी अनुवाद :- अ) कम्प्यूटर अनुवाद : अर्थ और घटक आ) कम्प्यूटर अनुवाद की प्रक्रिया इ) कम्प्यूटर अनुवाद और इंटरनेट ई) कम्प्यूटर अनुवाद की समस्याएँ	10

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. अनुवाद सिध्दान्त की रूपरेखा :डॉ.सुरेशकुमार ,
   वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
2. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ : डॉ . भोलानाथ तिवारी / डॉ. गोस्वामी / गुलाटी
   शब्दाकार , 159 गुरू अंगदनगर (वैस्ट) दिल्ली -92.

3.राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक अनुवाद की दिशाएँ : डॉ . हरिमोहन ,
तक्षशिला प्रकाशन , 98,ए हिंदी पार्क दरियागंज ,नई दिल्ली -2.
4. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी / जितेंद्र गुप्त ,
शब्दाकार , दिल्ली -92.
5.ई .अनुवाद और हिंदी : डॉ. हरीशकुमार सेठी ,
किताबघर 24/4855 , अंसारी रोड ,दरियागंज , नई दिल्ली .
6. अनुवाद एवं भाषान्तरण : पाठ और अभ्यास : सं.-रवींद्र गर्गेश कृष्णकुमार गोस्वामी ,
ओरियंट लौगमैन प्रा.लि. 1/24 असिफअली रोड , नई दिल्ली -2.
7. अनुवाद का समाजशास्त्र : डॉ . सूर्यनारायण रणसुभे ,
अमित प्रकाशन , दिल्ली